पिट्स

आर.एन.आई. ३८१३९/८१

www.pits.co.in

वर्ष २९ अंक-१७ सोमवार, १५ दिसम्बर २००८ पृष्ठ १६ मूल्य दो रुपये

पिछले दिनों मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद भयाक्रांत मुंबई के वासी क्रीक में सर्दियों की ऋतु में प्रवास के लिए आये शांति दूत फ्लेमिंगो पक्षी।

दावों की दहलीज पर मंत्रियों के कयास तेज

शिवराजसिंह चौहान के दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ के साथ ही उनकी केबीनेट और सहयोगियों को लेकर अटकलों, दावों और दबाव का दौर शुरू हो गया है. स्टार प्रचारक के रूप में भाजपा को दोबारा सत्ता के शिखर पर पहुंचाने वाले शिवराज को भाजपा आलाकमान ने अब तक तो फ्री हेंड दिया है. मंत्रिमंडल गठन में भी यदि फ्री हेंड मिला तो शिवराज संभव है दागदार और खराब छवि वाले दावेदारों को दूर रखकर एक साफ सुथरी सरकार देने की ओर कदम बढ़ा सकेंगे. यदि शिवराज सिंह अपने पूर्ववती निर्णय पर इस बार भी अटल रहे कि पहली बार विधायक बनने वालों को मंत्रीपद से वंचित रखा जाए तो भाजपा के 144 में से 60 विधायक पहली बार विधायक बने है. वे मंत्री पद पाने से वंचित हो जायेंगे.

शेष अंतिम पेज पर ...

चुनौतियों पर सवार शिवराज सरकार

विकास के कार्ड पर सवार होकर देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश में शिवराजसिंह के नेतृत्व में दोबारा भाजपा सरकार सत्तारूढ़ हो गई है. दूसरी बार मिली इस सत्ता ने शिवराज के समक्ष कई चुनौतियां खड़ी की है. उन्हें जहां जलसंकट, बिजली संकट और इन्फ्रास्ट्रक्चर करी कमी जैसे बुनियादी सवालों से जुझने की चुनौती है वहीं पार्टी के भीतर से भीतर कम चुनौती नहीं है. चुनाव में एक तिहाई विधायकों के टिकट काटकर तो शिवराज ने बगावत की चुनौती से सामना कर लिया लेकिन वे उन मंत्रियों के कैसे पार पाएंगे जिन पर घोटालों और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप है. प्रदेश में पहली बार सकारात्मक वोट के जरिये नई सरकार का चुनाव हुआ है इस कारण इस सरकार के कंधे पर चुनौतियां भी ज्यादा है. फिलहाल शिवराजसिंह के सामने अपनी टीम का गठन सबसे बड़ी चुनौती है. उनकी पुरानी टीम के आठ से ज्यादा मंत्री हार चुके है तो इतने ही वरिष्ठ नेता और सांसद भी विधायक बन कर मंत्रीपद की दावेदारी कर रहे हैं. उसके अलावा जाति, क्षेत्र, पार्टी, संघ और वर्ग संगठन की भी मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व की दावेदारी है. शिव की टीम के वे चेहरे फिर से विधायक चुके गये हैं उनमें अजय विश्नोई जैसे भी है जिन्हें आरोपों और घोटालों के चलते ही मंत्रिमंडल से बेदखल किया गया था. यह सवाल लाजमी है कि क्या ऐसे लोगों को शिवराज अपनी टीम से दूर रख पायेंगे. उन्होंने चुनाव जीतने के बाद पहले साक्षात्कार में प्रदेश में साफ सुथरी और ईमानदार सरकार देने का वादा दोहराया है और यदि ये दागदार चेहरे फिर से सरकार में जगह बना लेते है तो क्या ईमानदार सरकार का उनका वादा पूरा हो जाएगा. मंत्रिमंडल गठन की इस पहली चुनौती से उबरने के बाद भी शिवराज के कंधों पर वादों की विकास की और लोगों की समस्याओं के समाधान की चुनौतियां बरकरार है जिन्हें यदि शिवराज पूरा नहीं कर पाए तो चार माह बाद जब लोकसभा चुनाव में उन्हें फिर परीक्षा देनी है तब वे उससे कैसे उबरेंगे इस सवाल का उत्तर ही तय करेगा कि शिवराज चुनौतियों को कैसे लेते हैं.

डकैती की गूंज सुनकर गरजे मुख्यमंत्री

इंदौर। बैंक ऑफ महाराष्ट्र में सनसनीखेज 58लाख 60 हजार की डकैती की चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर हुई, शुक्रवार को उक्त वारदात राष्ट्रीय समाचार चैनलों में छाई रही. डकैती की गुंज मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को शनिवार सुबह अचानक इंदौर खींच लाई. मुख्यमंत्री विमानतल से सीधे 15वीं बाटलियन स्थिति पुलिस मैस पहुंचे और डीजीपी एस.के. राऊत की मौजूदगी में इंदौर रेंज के आई.जी. अनिल कुमार, डी.आई.जी. श्रीनिवास राव और एस.पी. संजीव शमी सहित अन्य पुलिस अधिकारियों की बैठक ली. बैठक में मुख्यमंत्री ने पुलिस कप्तान की जमकर खिंचाई की और अल्टीमेटम देकर वारदात को अंजाम देने वालों को जल्द- जल्द से सलाखों के पीछे पहुंचाने के निर्देश दिये. उल्लेखनीय है कि गत दिनों मालवा मील में भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठी चार्ज की शिकायत मुख्यमंत्री को इंदौर से नवनिर्वाचित दो भाजपा विधायकों ने की थी. साथ ही एक सर्वे में इंदौर को अपराधों में देश का नंबर वन शहर बताया गया था.